॥ श्री गणेशाय नमः ॥

अथ श्री महा सरस्वती पंचोपचार पूजनम्

ध्यानम्

(हाथ में अक्षत, पुष्प लेकर ध्यान करें)

ॐ या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रवृता ।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना ॥
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता ।
सा मां पातु सरस्वती भवगती निःशेषजाड्यापहाः ॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः ध्यानं समर्पयामि)

(सरस्वती जी के चरणों में अक्षत्, पुष्प चढ़ायें)

चन्दनम्

ॐ श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम् ।
विलेपनं सुरश्रेष्ठ चन्दनं प्रति गृह्यताम् ॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः चन्दनम् समर्पयामि)

(सरस्वती जी के मस्तक में चन्दन लगायें)

पुष्पम्

ॐ सुरभिः पुष्पनिचयैः ग्रथितां शुभमालिकाम् ।
ददामि तव शोभार्थं गृहाण परमेश्वरि॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री सरस्वती देव्यै नमः पुष्पम् समर्पयामि)

(सरस्वती जी के चरणों में पुष्प चढ़ायें)

धूपम्

ॐ दशाङ्गगुग्गुलं धूपं चन्दनागरुसंयुतम् ।
समर्पितं मया भक्त्या महादेवि प्रगृह्यताम् ॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः धूपम् आघ्रापयामि)

(सरस्वती जी को धूप दिखायें)

दीपम्

ॐ घृतवर्तिसमायुक्तं महातेजो महोज्ज्वलम् ।
दीपं दास्यामि देवेशि सुप्रीता भव सर्वदा ॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः दीपम् दर्शयामि)

(सरस्वती जी को दीप दिखायें)

नैवेद्यम्

ॐ अन्नं बहुविधं स्वादु रसैः षड्भिः समन्वितम् ।
नैवेद्यं गृह्यतां देवि भक्ति में ह्यचलां कुरु॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः नैवेद्यम् निवेदयामि)

(एक पात्र में सरस्वती जी के सामने भोग रखें तथा खाली पात्र में तीन बार जल छोड़ें)

प्रार्थयेत्

(हाथ में अक्षत, पुष्प लेकर प्रार्थना करें)

ॐ सरस्वति महाभागे विद्योकमललोचने ।
विद्यारूपे विशालाक्षि विद्यां देहि नमोस्तुते ॥

(ॐ भूर्भुवः स्वः श्री महासरस्वत्यै नमः प्रार्थना पूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि)

(सरस्वती जी के चरणों में अक्षत्, पुष्प चढ़ायें)

अनेन पंचोपचार पूजनेन श्रीसरस्वतीदेवी प्रीयतां न मम ॥

(सरस्वती जी के चरणों में एक आचमनी जल चढ़ायें)

॥ इति शुभम् भवतु ॥